अध्याय
06

प्रेमचंद के फटे जूते

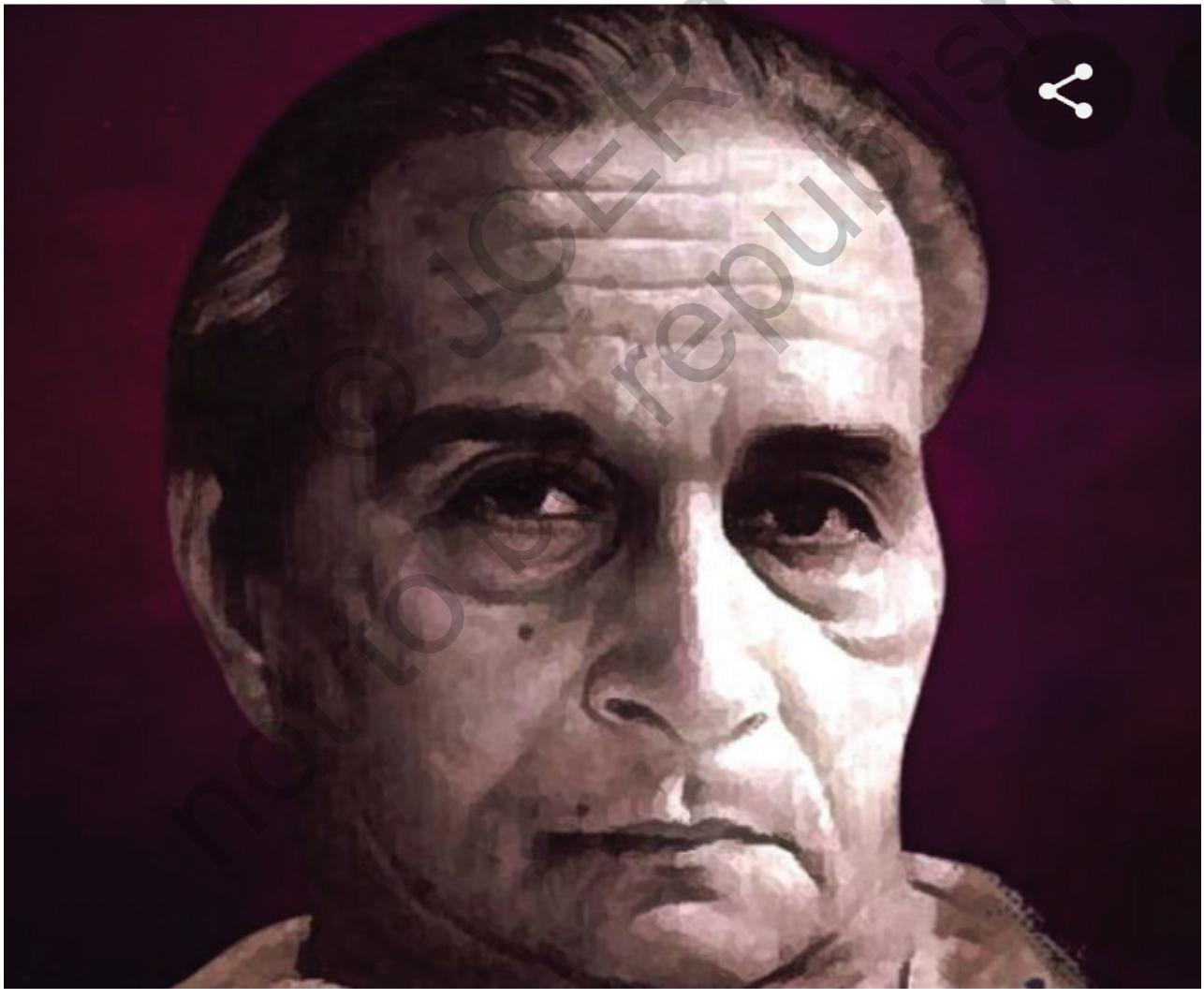

परिचय–हरिशंकर परसाई

© JCERT not to be republished

हरिशंकर परसाई

लेखक परिचय

लेखक-परिचय
* जन्म- 22 अगस्त 1922 ई० में हुआ था।
* जन्म-स्थान- मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के जमानी गांव में हुआ था।
* शिक्षा- उन्होंने समस्तार ग्लोबल स्कूल इलाहाबाद में आर०टी०एम० नागपुर विश्वविद्यालय से एम०ए० की उपाधि प्राप्त की।
* मृत्यु- 10 अगस्त 1995 जबलपुर में नागपुर विश्वविद्यालय से एम०ए० करने के बाद कुछ दिनों तक अध्यापन किया।
* 1947 से स्वतंत्र लेखन करने लगे।
* जबलपुर से वसुधा नामक पत्रिका निकाली।

साहित्यिक परिचय-
* परसाई जी शुक्लोत्तर युग के हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ व्यंग्यकार है।
* सामाजिक विसंगतियों और व्यक्तिगत दोषों को निवारण करने वाले व्यंग्यात्मक निबंधों के अतिरिक्त परसाई जी ने कहानियां, उपन्यास, संस्मरण भी लिखें।

प्रमुख रचनाएं-
* कहानी-संग्रह- हंसते हैं रोते हैं, जैसे उनके दिन फिरे
* उपन्यास- रानी नागफनी की कहानी, तट की खोज
* संस्मरण- तिरछी रेखाएं
* लेख संग्रह- भूत के पांव पीछे, बेईमानी की परत, अपनी-अपनी बीमारी, प्रेमचंद के फटे जूते, पगडंडियों का जमाना, शिकायत मुझे भी है, वैष्णव की फिसलन, सदाचार का ताबीज, विकलांग श्रद्धा का दौर, तुलसीदास चंदन घिसै, हम एक उम्र से वाकिफ हैं।

भाषा शैली-
* परसाई जी की भाषा बोल चाल सरल प्रवाह मई एवं सामान्य भाषा का प्रयोग करते हैं किंतु संरचना के अनूठे पन के कारण उनकी भाषा की मारक क्षमता बहुत बढ़ जाती है।
* उन्होंने व्यंग्यात्मक, प्रश्नात्मक, विस्तृतात्मक शैलियों का प्रयोग किया है।

सम्मान-
'विकलांग श्रद्धा के दौर' के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार से सम्मानित।

© JCERT not to be republished

पाठ का परिचय-

प्रेमचंद के फटे जूते

1. 'प्रेमचंद के फटे जूते' लेख में परसाई जी ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व की सादगी के साथ एक रचनाकार की अंतरभेदी सामाजिक दृष्टि का विवेचन करते हुए आज की दिखावे की प्रवृत्ति एवं अवसरवादीता पर व्यंग्य किया है।

2. लेखक प्रेमचंद के फटे जूते देखकर आश्चर्यचकित होकर कहता है कि फोटो खिंचवाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी जूते में बड़ा छेद हो गया है जिससे अंगुली बाहर निकल आई है फिर भी चेहरे पर बड़ी बेपरवाही और विश्वास है। वे सदा जीवन उच्च विचार रखने में विश्वास रखते थे। अतः गरीबी से दुखी नहीं थे।

3. लेखक कहते हैं कि तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग प्रवर्तक जाने क्या क्या कहलाते थे। मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है मेरा भी तो जूता फट गया है किंतु ऊपर से तो ठीक है। मैं पर्दे को ध्यान में रखता हूं। मैं अपनी अंगुली को बाहर नहीं निकलने देता।

4. लेखक कहते हैं की तुम पर्दे का महत्व नहीं समझते और हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं। फिर भी तुम मुस्कुरा रहे हो यह राज समझ में नहीं आता। लगता है तुम किसी शख्स चीज से ठोकर मार कर अपना जूता फाड़ लिया है।

5. लेखक कहते हैं मैं समझता हूं तुम्हारी अंगुली का इशारा भी समझता हूं और यह व्यंग मुस्कान भी समझता हूं।

6. लेखक मानते हैं कि प्रेमचंद की अंगुली किसी घृणित वस्तु की ओर संकेत कर रहे हैं जिसे उन्होंने ठोकर मार मार कर अपने जूते फाड़ लिए हैं उन लोगों पर मुस्कुरा रहे हैं, जो अपनी अंगुली को ढकने के लिए अपने तलवे

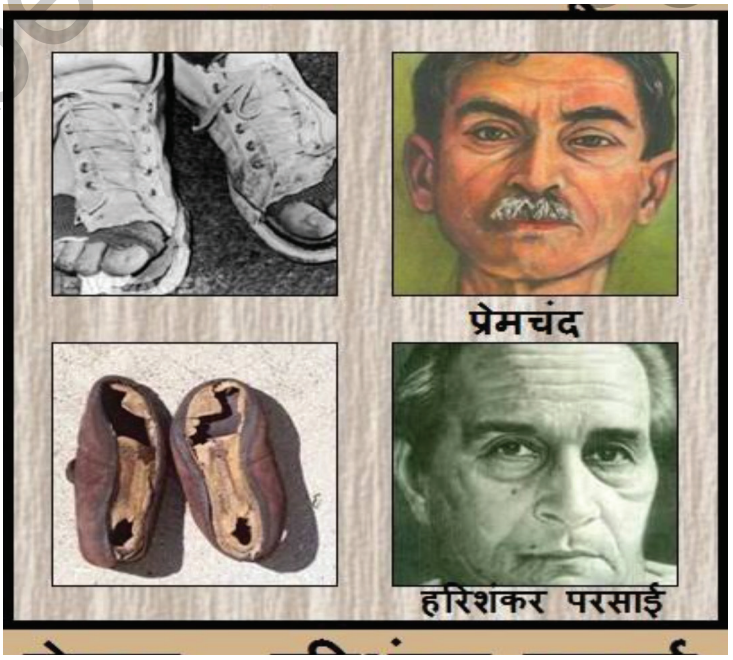

© JCERT not to be republished

घिसते रहते हैं। आज के दिखावे की प्रवृत्ति एवं अवसरवादी प्रवृत्ति व संस्कृति पर करारा प्रहार किया गया है।

7. शब्दार्थ-

उपहास- खिल्ली उड़ाना

प्रहार- आघात, धक्का

तलवे- पैर के नीचे का भाग जो चलने या खड़े होने पर जमीन पर पड़ता है।

युग प्रवर्तक- किसी काम या बात का आरंभ, या संचालन।

व्यंग्य- ताना या ताना कहना।

प्रश्न -अभ्यास

1. हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्द चित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएं उभर कर आती है?

उत्तर- प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताएं -

* प्रेमचंद का व्यक्तित्व बहुत ही सीधा-सादा था, उनके व्यक्तित्व में दिखावापन नहीं था।

* प्रेमचंद एक स्वाभिमानी व्यक्ति थे। किसी और की वस्तु मांगना उनके व्यक्तित्व के खिलाफ था।

* इन्हें परिस्थितियों से समझौता करना मंजूर नहीं था।

* ये परिस्थितियों के गुलाम नहीं थे। किसी भी परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना इनके व्यक्तित्व की विशेषता थी।

2. सही कथन के सामने (✓) का निशान लगाइए-

(क) बाएं पाव का जूता ठीक है मगर दाहिने जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अंगुली बाहर निकल आई है।

(ख) लोग तो इतर चुपड़कर फोटो खींचाते है जिससे फोटो में खुशबू आ जाए।

(ग) तुम्हारी यह व्यंग्य मुसकान मेरे हौसले बढ़ाती है।

(घ) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ अंगूठे से

उत्तर

क) बाएं पाव का जूता ठीक है मगर दाहिने जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अंगुली बाहर निकल आई है। (×)

(ख) लोग तो इतर चुपड़कर फोटो खींचाते है जिससे फोटो में खुशबू आ जाए। (✓)

(ग) तुम्हारी यह व्यंग्य मुसकान मेरे हौसले बढ़ाती है। (×)

(घ) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ अंगूठे से (×)

3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-

© JCERT not to be republished

(क) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पच्चीसों टोपियां न्योछावर होती है।

उत्तर- यहाँ पर जूते का आशय समृद्धि है तथा टोपी मान, मर्यादा तथा इज्जत का प्रतीक है। आज की परिस्थिति में इज्जत को समाज के समृद्ध एवं प्रतिष्ठित लोगों के सामने झुकना पड़ता है। अर्थात धनवानों का मान-सम्मान और भी अधिक बढ़ गया है। एक धनवान पर पच्चीसों गुणी लोग न्योछावर है।

(ख) तुम पर्दे का महत्व ही नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं।

उत्तर- प्रेमचंद ने कभी पर्दे को महत्व नहीं दिया था। वे अंदर बाहर से एक थे। यहां उनका पहनावा भी अलग-अलग न था। लेखक अपनी तथा अपने युग की मनोभाव पर व्यंग्य करता है कि हम पर्दा रखने को बड़ा गुण मानते हैं। अर्थात जो व्यक्ति अपने कष्टों को छिपाकर समाज के सामने सुखी होने का ढोंग करता है। हम उसी को महान मानते है। जो अपने दोषों को छिपाकर स्वयं को महान सिद्ध करता है।

(ग) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पांव की अंगुली से इशारा करते हो?

उत्तर- लेखक कहता है- प्रेमचंद ने समाज में जिसे घृणा-योग्य समझा, उसकी ओर हाथ की अंगुली से नहीं बल्कि अपने पांव की अंगुली की इशारा किया। अर्थात उसे अपनी ठोकरों पर रखा, अपने जूते की नोंक पर रखा, उसके विरुद्ध किए रखा।

4. पाठ में एक जगह पर लेखक सोचता है कि 'फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि 'नहीं' इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी।' आप के अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक के विचार बदलने की क्या वजहें हो सकेगी हैं?

उत्तर- पहले लेखक प्रेमचंद के साधारण व्यक्तित्व को परिभाषित करना चाहते हैं कि खास समय (फोटो खींचाने) में ये इतने साधारण है तो साधारण मौकों पर ये इससे भी अधिक साधारण होते होंगे। वे जैसे भीतर हैं वैसे ही बाहर है। अर्थात प्रेमचंद सादगी पसंद और आडंबर तथा दिखावे से दूर रहने वाले व्यक्ति हैं।

5. आपने यह व्यंग्य पढा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन सी बातें आकर्षित करती है?

उत्तर- लेखक एक संदर्भ से दूसरे संदर्भ की ओर बढ़ता चला जाता है। प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताओं को व्यक्त करने के लिए उदाहरणों का प्रयोग किया गया है, वे व्यंग को और भी आकर्षक बनाते हैं। कड़वी से कड़वी बातों को अत्यंत सरलता से व्यक्त किया गया है। यहां अप्रत्यक्ष रूप से समाज के दिखावे पर व्यंग किया गया है।

6. पाठ में 'टीले' है शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया है ?

उत्तर- 'टीले' शब्द का प्रयोग मार्ग की बाधा (रुकावट) के रूप में किया गया है। प्रेमचंद ने

© JCERT not to be republished

अपनी लेखनी के द्वारा सामाजिक बुराइयां, कुरीतियां, भेदभाव, अनीति को दर्शाया है क्योंकि मानव के सामाजिक विकास में अड़चन पैदा करती हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

7. प्रेमचंद के फटे जूते को आधार बनाकर परसाई जी ने यह व्यंग्य लिखा है आप ही किसी व्यक्ति की पोशाक को आधार बनाकर एक व्यंग लिखिए।

उत्तर- स्वयं करें

8. पकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?

उत्तर- पहले वेशभूषा का प्रयोग शरीर ढकने के उद्देश्य से किया जाता था। परिवर्तन समाज का नियम है। इसलिए समय के बदलते रूप ने वेश-भूषा की परिभाषा को बदल दिया है। आज की स्थिति ऐसी हो गई है कि लोग फैशन दिखावे के लिए इसका प्रयोग कर रहे हैं और समय के परिवर्तन के साथ अगर कोई स्वयं को ना बदले तो समाज में उसकी प्रतिष्ठा नहीं बनती। स्वयं को समाज में प्रतिष्ठित करने के लिए लोग अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर वेशभूषा का चुनाव करते हैं। आज वेश-भूषा केवल व्यक्ति की जरूरत न हो कर उसके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अंग बन चुका है। यही कारण है कि आधुनिक बनने की होड़ लगी है।

भाषा-अध्ययन

9. पाठ में आए मुहावरे छाटिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

*अंगुली का इशारा- (कुछ बताने की कोशिश) मैं तुम्हारी अंगुली का इशारा खूब समझता हूं।

* व्यंग्य- मुस्कान- (मजाक उड़ाना) तू अपनी व्यंग भरी मुस्कान से मेरी तरफ मत देखो

*बाजू से निकलना- (कठिनाइयों का सामना न करना) इस कठिन परिस्थिति में तुमने मेरा साथ छोड़कर बाजू से निकलना

* रास्ते पर खड़ा होना- (बाधा पड़ना) तुम मेरी सफलता के रास्ते पर खड़े हो।

*टीला खड़ा होना- (बाधाएं आना) जीवन जीना इतना सरल नहीं है यहां पग पग पर टीले खड़े हैं।

*पहाड़ फोड़ना (बाधाएं नष्ट करना) प्रेमचंद संघर्षशील लेखकों में से हैं जिन्होंने पहाड़ फोड़ना सीखा था, बचना नहीं।

*ठोकर मारना (चोट करना) प्रेमचंद ने राह के संकटों पर खूब ठोकरें मारी

10. प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए लेखक ने जिन विशेषणो का उपयोग किया उनकी सूची बनाइए।

उत्तर- प्रेमचंद का व्यक्तित्व भरने के लिए लेखन विशेषण का प्रयोग किया है यह है-

*महान कथाकार

*युग प्रवर्तक

*उपन्यास सम्राट

*जनता के लेखक

*साहित्यिक पुरखे

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हरिशंकर परसाई का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(a) 1922 में मध्यप्रदेश के होशंगाबाद में

(b) 1922 में इलाहाबाद में

(c) 1932 में पटना में

(d) 1922 में वाराणसी में

उत्तर-(a) 1922 में मध्यप्रदेश के होशंगाबाद में।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना हरिशंकर परसाई जी की नहीं है?

(a) हसते हैं रोते हैं

(b) रानी नागफनी की कहानी

(c) गोदान

(d) भूत के पाँव पी

उत्तर-(c) गोदान

3. हरिशंकर परसाई जी का निधन कब हुआ?

(a) 1991 में (b) 1995 में

(c) 1999 में (d) 1998 में

उत्तर-(b) 1995 में

4. 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में लेखक ने प्रेमचंद का कैसा चित्रण किया है?

(a) बनावटी

(b) अतिशयोक्तिपूर्ण चित्रण

(c) व्यंग्य चित्रण

(d) यथार्थ चित्रण

उत्तर-(d) यथार्थ चित्रण

5. प्रेमचंद ने कैसे जूते पहन कर फोटो खिंचवाए हैं?

(a) गंदे (b) फटे

(c) रंगीन (d) महँगे

उत्तर-(b) फटे

6. समाज में किसके कारण अधिक मान-सम्मान दिया जाता है?

(a) घर के कारण

(b) शिक्षा के कारण

(c) धन के कारण

(d) हँसी के कारण

उत्तर- (c) धन के कारण

7. लेखक को प्रेमचंद की मुस्कान कैसी जान पड़ती है?

(a) प्रेम और वात्सल्य से भरी।

(b) विचित्र और व्यंग्य से भरी।

(c) अंहकार और दिखावे से भरी।

(d) गहरे विषाद और खिन्नता से भरी।

उत्तर- (b) विचित्र और व्यंग्य से भरी।

© JCERT not to be republished

8. लेखक के अनुसार प्रेमचंद कैसा जीवन जीते थे?

(a) सहज (b) सुखी

(c) दिखावटी (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (a) सहज

9. चित्र में प्रेमचन्द किसके साथ फोटो खिंचा रहे हैं?

(a) पिता के साथ

(b) बहन के साथ

(c) पत्नी के साथ

(d) लेखक के साथ

उत्तर- (c) पत्नी के साथ

10. इस रचना को लिखने की प्रेरणा लेखक को कहाँ से प्राप्त हुई थी?

(a) प्रेमचंद की पत्नी से मिलकर।

(b) प्रेमचंद के योगदान को देखकर।

(c) प्रेमचंद के लिखे साहित्य को देखकर।

(d) प्रेमचंद की फोटो को देखकर।

उत्तर- (d) प्रेमचंद की फोटो को देखकर।

11. लेखक एक पुरानी फोटो देख रहे थे। उनकी दृष्टि फोटो में कहाँ जाकर अटक गई थी?

(a) टोपी पर (b) जूते पर

(c) धोती पर (d) कलम पर

उत्तर- (b) जूते पर

12. 'गोदान' उपन्यास का मुख्य पात्र कौन है?

(a) प्रेमचंद (b) माधो

(c) लेखक (d) होरी

उत्तर- (d) होरी

13. लेखक के अनुसार प्रेमचंद किसका महत्व नहीं समझते थे?

(a) फोटो का (b) लेखन का

(c) जूते का (d) कलम का

उत्तर- (a) फोटो का

14. लेखक के अनुसार प्रेमचंद कैसे लेखक थे?

(a) सुस्त (b) संघर्षशील

(c) क्रांतिकारी (d) गंभीर

उत्तर- (b) संघर्षशील

15. प्रेमचंद के जीवन की सबसे बड़ी कमजोरी क्या थी?

(a) जीवन में समझौते न कर पाना।

(b) अशिक्षित होना

(c) निर्धन होना

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर:(a) जीवन में समझौते न कर पाना।

© JCERT not to be republished

16. प्रेमचंद फोटो के माध्यम से किन लोगों पर व्यंग्य करते हैं?

(a) जो गरीब हैं।

(b) जो अपनी कमजोरियों को छिपाते हैं।

(c) जिनके पास अधिक पैसा है।

(d) जो समाज के नियम मानते हैं।

उत्तर- (b) जो अपनी कमजोरियों को छिपाते हैं।

17. प्रेमचंद के जमाने में जूते कितने रूपये में मिलते थे?

(a) दो रुपये में (b) पाँच रुपये में

(c) आठ आने में (d) तीन रुपये में

उत्तर- (b) पाँच रुपये में

18. प्रेमचंद की कहानी 'कफ़न' का पात्र माधो की इंसानियत किस कारण मर चुकी है?

(a) भूख के कारण

(b) अमीरी के कारण

(c) दिखावे के कारण

(d) बीमारी के कारण

उत्तर- (a) भूख के कारण

19. प्रेमचंद जीवन-भर किसे झेलते रहे?

(a) बीमारी

(b) आर्थिक संकट

(c) सामाजिक कुरीतियों को

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (b) आर्थिक संकट

20. लेखक ने इस पाठ में भक्ति काल के किस कवि का वर्णन किया है।

(a) सूरदास (b) कुंभन दास

(c) रैदास (d) कबीरदास

उत्तर- (b) कुंभन दास

© JCERT not to be republished